Medical Council and Dental Council and also those which are unrecognised State-wise ; and

(c) what seps have been taken to eradicate this malpractice ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D.K. THARA DEVI SIDDHARTHA) : (a) to (c) As per information available with Medical Council of India, 25 Medical Colleges are charging capitation fee or enhance fee.

At present, there is no law enaced by the Central Govt, which regulates the fees which are to be charged by Medical and Dental institutions except those which are in the Government sector. The monitoring of institutions who may be levying enhanced fee is not being done by the Medical Council of India and recognition of medical colleges is given in,relation to the standards and facilities maintained by them from the academic point of view.

Some State Governments have enacted a Legislation prohibiting the charging of capitation fees by educational institutions which law has to be enforced by them.

Bronchial Asthma genetic in origin

2124. MISS SALOJ KHAPARDE Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether it is a facy t*hat t*hree Nagpur Scientists have found evidence that Bronchial Asthma, believed to be an allergy is genetic in origin, as reported in the Hindustan Times dated 5h July, 1992 under the caption "Broachial Asthma genetic in origin"; and

(b) if so, what are the details in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D.K. THARA DEVI SIDDHARTHA) : (a)and(b) No Report of such a study was sent tc thi Ministry. However, since lons it is a recognised fact that bronchial asthma has an allergic basis and that it is known to run in families, and it has a genetic association.

अस्पतालों में मुर्दा घरों की दशा

2125. **श्री मोहम्मद अफजल उर्फ भीम अफजल** : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को दिल्ली के अस्पतालों के मुर्दा घरों की खराब दशा और इनकी देखभाल में कमी होने की जानकारी है ;

(ख) पिछले तीन वर्षों में सरकार को इस संबंध में कितनी शिकायतें मिली हैं;

(ग) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ; और

(घ) मुर्दा घरों की दशा में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी. के. तारादेवी सिद्धार्थ) : (क) दिल्ली के अस्पतालों में मुर्दाघरों को उपयुक्त स्थिति में रखा जाता है और प्राधिकारियों द्वारा उपयुक्त ध्यान दिया जाता है।

(ख) सरकार को पिछले तीन वर्षों के दौरान इस संबंध में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

(ग) यह प्रश्न नहीं उठता।

(घ) केन्द्र सरकार और दिल्ली प्रशासन के विभिन्न अस्पतालों में मुर्दि-

धाओं/स्थितियों का दर्जा बढ़ाने तथा तथा उन्हें आधुनिक बनाने हेतु समय-समय पर प्रयास किए जाते हैं बशर्ते संसाधन संबंधी कोई कठिनाई आड़े न आए ।

परिवार कल्याण संबंधी और आदिवासियों के स्वास्थ्य योजनाओं का आरम्भ किया जाना

2126. **डा. जिनेन्द्र कुमार जैन :**
श्री कैलाश नारायण सारंग :
क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् ने देश में स्वास्थ्य कल्याण संबंधी और आदिवासियों के स्वास्थ्य के संबंध में अनेकों योजनायें विगत में आरम्भ की हैं;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान इन योजनाओं के कार्यान्वियन पर कुल कितनी धनराशि खर्च की गई ;

(ग) क्या इन योजनाओं के कार्यान्वयन की समय-समय पर सरकार द्वारा समीक्षा की जाती है ; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती डी. के. तारादेवी सिद्धार्थ) : (क) जी हां।

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा परिवार कल्याण और आदिवासी स्वास्थ्य योजनाओं पर खर्च की गई कुल धनराशि इस प्रकार है :–

वर्ष	परिवार कल्याण (लाख रु. में)	आदिवासी स्वास्थ्य (लाख रु. में)
1989–90	1000.00	152.42
1990–91	588.00	358.40
1991–92	600.00	252.99

(ग) और (घ) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा समय-समय पर भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के कार्यकलापों और कार्यक्रमों की सामान्य समीक्षाएं की जाती हैं जबकि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् अपनी अनुसंधान योजनाओं के लिए एक वार्षिक समीक्षक तंत्र की भूमिका निभाता है। वैज्ञानिक सलाहकार समिति द्वारा भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के स्थायी केन्द्रों एवं प्रगतिशील अनुसंधान केन्द्रों पर अंतर्भित्तिक अनुसंधान की समीक्षा की जाती है। समीक्षक समूह द्वारा कर्म शक्ति परियोजनाओं के लिए बाह्यभित्तिक अनुसंधान की समीक्षा की जाती है। तदर्थ परियोजनाओं की समीक्षा परियोजना सलाहकार समिति या परियोजना समीक्षा समिति द्वारा की जाती है। अध्यतावृत्ति समिति/परियोजना समीक्षा समिति द्वारा अध्येतावृत्तियों की समीक्षा की जाती है। समस्त बाह्यभित्तिक अनुसंधान की समीक्षा वैज्ञानिक कार्य का अध्ययन करने वाले समूह द्वारा की जाती है। अंतर्भित्तिक और बाह्यभित्तिक अनुसंधान की साथ-साथ समीक्षा वैज्ञानिक सलाहकार समिति द्वारा की जाती है। वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड, जो एक शीर्षस्थ सलाहकार निकाय है, विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के अनुसंधान संबंधी कार्यकलापों का समग्र रूप से मूल्यांकन करता है तथा अनुसंधान एवं विकास के नव्यतर क्षेत्रों को बतलाता है । अधिकतर इन सलाहकार समितियों के सदस्य देश के ही गण्यमान्य वैज्ञानिक, कार्यक्रम प्रबंधक और नीति निर्माता होते हैं। वार्षिक समीक्षा के अतिरिक्त, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के तंत्र ने हाल ही में भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् के 33 मानव प्रजनन अनुसंधान केन्द्रों में किए गए कार्य का बाह्य मूल्यांकन किया है।

Expenditure on Family Welfare Programme

2127. SHRI RAMDAS AGARWAL : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :